भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 612 का उत्तर

किनाथुक्कडावु और पोलाची रेलवे स्टेशनों को सेलम मंडल के अंतर्गत लाना

612. श्री ईश्वरस्वामी के.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को किनाथुक्कडावु और पोलाची रेलवे स्टेशनों को पलक्कड़ मंडल से हटाकर सेलम मंडल के अंतर्गत लाने के बारे में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उस पर क्या कार्रवाई की गई;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि मौजूदा मंडलीय व्यवस्था से अवसंरचना के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में देरी होती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार ने इस मांग पर तमिलनाडु राज्य सरकार के साथ कोई व्यवहार्यता अध्ययन/परामर्श किया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) कोयंबटूर और पोलाची क्षेत्रों में यात्रियों के लिए साम्यिक विकास सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल में जोनों/मंडलों के क्षेत्राधिकार बदलने के साथ-साथ अन्य बातों के लिए संसद सदस्यों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के

प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि, ऐसे प्रस्तावों/शिकायतों/सुझावों का प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए, ऐसे अनुरोधों का केंद्रीकृत संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, इनकी जाँच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और उचित पाए जाने पर कार्रवाई की जाती है।

भारतीय रेल के वृहत्त रेल नेटवर्क को जोनों और मंडलों में विभाजित किया गया है। किसी रेलवे जोन/मंडल का क्षेत्राधिकार राज्य/जिले की सीमाओं पर आधारित नहीं होता है और इसके शासन के मानक परिचालन/प्रशासनिक आवश्यकताओं पर आधारित होते हैं जो अर्थव्यवस्था और दक्षता की जरूरतों के अनुरूप होते हैं। वर्तमान में पालक्काड मंडल किनत्तुक्कडवु और पोल्लाच्चि सहित अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाइनों की जरूरतों को पूरा करता है।

वर्तमान व्यवस्था संतोषजनक रूप से काम कर रही है और किनत्तुक्कडवु और पोल्लाच्चि रेलवे स्टेशनों को जब सेलम मंडल में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की जांच की गई, तो इसे इस चरण में व्यावहारिक नहीं माना गया है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक योजना के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना सम्मिलित है। मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉटर बूथ में सुधार

- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, बहुविध एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूनिर्माण आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से और यथा व्यवहार्य टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें से तमिलनाडु राज्य में 77 स्टेशन, जिनमें पोलाची जंक्शन, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ और पोदनूर जंक्शन स्टेशन शामिल हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जाने हेतु चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडिक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जं., करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जं., मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जं., पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में 09 स्टेशनों (चिदंबरम, कुलितुरई, मन्नारगुडी, पोलुर, सामलपट्टी, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवन्नामलाई एवं वृद्धाचलम जंक्शन) के चरण-I का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर किए जा रहे कार्य भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

- पोलाची जंक्शन स्टेशन : नए स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालाय, शौचालय, बुकिंग ऑफिस में सुधार, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, वीआईपी लाउंज और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा हो गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- कोयम्बटूर नॉर्थ स्टेशन: नए प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और पार्किंग क्षेत्र के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, दूसरे प्रवेश द्वार पर टिकट कार्यालय और लैंडस्केपिंग के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

- पोदनूर जंक्शन स्टेशन: प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग एरिया, नया रिज़र्व्ड लाउंज, बुकिंग ऑफिस और लिफ्ट के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म नंबर 1 का चौड़ीकरण, लिफ्ट और 6 मीटर पैदल पार पुल के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

- कोयम्बटूर जंक्शन स्टेशन मास्टर प्लानिंग के तहत है।

मास्टर योजना एक पुनरावर्ती प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस स्तर पर ऐसे इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरंतर चलने वाली सतत् प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। कार्यों को स्वीकृत और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी जाती है।

*****